भजन

तर्ज–तुझको पुकारे मेरा प्यार

हम तो हुए गुन्हेगार,
अब तो माफ करो मेरे पिया जी

1– लेना था हमको झूठ के बदले सुख अखण्ड तुम्हारा
कुर्बानी में काम न आया पिंड ब्रहमाण्ड हमारा
जीती बाजी गए हार
अब तो माफ करो

2– दिन के उजाले में भी न पहचाने पिया जी हम तुमको
दुख खालत है ये ही धनी जी रह रह के हमको
आड़ा भया रे अहंकार
अब तो माफ करो

3– तुरंत जगाए वचन ये जाग्रत अपने धनी के
अचरज है झूठा तन लेकर क्यूं रूह खड़ी ये
छूटे न अंग विकार
अब तो माफ करो